मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 51 ■ बुधवार 29 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com
FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play · Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel · Subscribe

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..
संजय दत्त ने अश्लील गाने पर माफी मांगी

उल्हास नदी के प्रदूषण पर 'ड्रोन' की नज़र

बदलापुर. कुलगांव बदलापुर नगर परिषद ने अब उल्हास नदी को प्रदूषण की समस्या से आज़ाद करने के लिए कमर कस ली है। आने वाले दिनों में मॉडर्न ड्रोन कैमरों की मदद से नदी पर नज़र रखी जाएगी।

बदलापुर नगर परिषद करेगी मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

मुंबई हाई कोर्ट में दायर एक रिट पिटीशन के बाद, प्रदूषण कंट्रोल के लिए एक ठोस एक्शन प्लान तैयार करने का निर्देश दिया गया था। इसी को देखते हुए, नगर परिषद ने नदी के बचाव और आस-पास के इलाके पर असरदार तरीके से नज़र रखने के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने का एक अहम फ़ैसला लिया है। हाल ही में हुई आम मीटिंग में स्पेशल सर्वे और मैपिंग करने के लिए, एक स्वतंत्र संस्था को नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंज़ूरी दी गई है।

हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार बनाई गई एक्शन प्लान इम्प्लीमेंट कमिटी की मीटिंग में नदी में प्रदूषण रोकने के लिए ड्रोन सर्वे का शॉर्ट-टर्म समाधान सुझाया गया था। इसके अनुसार, हर दिन सुबह 10 से 11 बजे और शाम 4 से 5 बजे तक नदी के किनारे और आस-पास के इलाके का सर्वे किया जाएगा। इस सर्वे के लिए हाई-डेफिनिशन और थर्मल कैमरों वाले ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे एडमिनिस्ट्रेशन के लिए उन गैर-कानूनी नालों और चैनलों को ढूंढना आसान हो जाएगा

जो बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज सीधे नदी में डालते हैं। यह कैंपेन सीवेज के हिस्सों को एनालाइज़ करने और प्रदूषण के सही सोर्स का पता लगाने पर फोकस करेगा। सिर्फ सीवेज ही नहीं, बल्कि खेती वाले इलाकों में बहने वाले पानी की गंदगी और केमिकल के निशानों का भी इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया जाएगा कि सीवेज कहां से मिल रहा है। अक्सर, नदी के तल में गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन या जमा हुए सॉलिड वेस्ट, वॉटर प्लांट और प्लास्टिक की वजह से पानी का फ्लो रुक जाता है, जिससे सीवेज वापस शहरी बस्तियों में चला जाता है।

ड्रोन का इस्तेमाल करके की गई मैपिंग से ऐसी रुकावटों को ढूंढना और हटाना आसान हो जाएगा। इस मॉडर्न सर्वे से एडमिनिस्ट्रेशन उल्हास नदी के प्रदूषण के सोर्स का पता लगा पाएगा, उसके खिलाफ सख्त एक्शन ले पाएगा और नदी के नेचुरल फ्लो को फ्री कर पाएगा। एनवायरनमेंटलिस्ट नगर परिषद के इस फैसले से खुश हैं। हालांकि, इसे असरदार तरीके से लागू करने और प्रदूषण को रोकने के लिए संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त एक्शन लेने की भी मांग है।

नदी में केमिकल गंदा पानी

हालांकि बदलापुर शहर से होकर बहने वाली उल्हास नदी के किनारे कोई इंडस्ट्रियल एस्टेट नहीं है, लेकिन बदलापुर में इंडस्ट्रियल एस्टेट से बहने वाला गंदा पानी नदी के तल में मिल जाता है। पिछले हफ्ते, पर्यावरणविदों ने इस स्थिति को उजागर किया था। इसलिए, सवाल उठता है कि इस गंदे पानी को कब रोका जाएगा और क्या उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी जो गंदे पानी को बिना ट्रीट किए सीधे प्राकृतिक नालों में छोड़ देते हैं।

उल्हासनगर की समस्याओं का होगा समाधान

■ DCM एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न

उल्हासनगर. डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में ठाणे जिला समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसमें उल्हासनगर MLA कुमार ऐलानी ने उल्हासनगर की बड़ी समस्याओं को सामने रखा। शिंदे ने उन्हें हल करने का भरोसा दिया है। इस मीटिंग में खरीफ सीजन की रिव्यू मीटिंग, ठाणे डिस्ट्रिक्ट विजिलेंस कमेटी की मीटिंग और 'हाउसेज फॉर ऑल' स्कीम के तहत रेगुलराइजेशन कमेटी का डिटेल्ड रिव्यू किया गया।

इस अहम मीटिंग में MLA कुमार ऐलानी ने उल्हासनगर शहर से जुड़े कई अहम और पेंडिंग मुद्दों पर रोशनी डाली। शहर में टूटी-फूटी और खतरनाक इमारतों की समस्या की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने तुरंत ठोस और स्टेटिजिक फैसले लेने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी नागरिकों को घर देने की कोशिशों में तेजी लाने की भी जरूरत बताई। उन्होंने शहर में बिना इजाज़त कंस्ट्रक्शन को रेगुलराइज करने की प्रक्रिया में आने वाली रुकावटों को दूर करके इस प्रोसेस को आसान और तेज बनाने की भी मांग की।

मीटिंग में डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल, गार्डियन सेक्रेटरी नवीन सोने, डिस्ट्रिक्ट काउंसिल के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर यादव, MLA किसन कथोरे, निरंजन डावखरे, डॉ. बालाजी किनिकर, राजेश मोरे, ज्ञानेश्वर म्हात्रे, कमिश्नर मनीषा अव्हाले और अलग-अलग डिपार्टमेंट के सीनियर ऑफिसर मौजूद थे।

■ उल्हासनगर की मांगों पर पॉजिटिव फ़ैसला

MLA कुमार ऐलानी शहर के ओवरऑल डेवलपमेंट के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं, और उम्मीद है कि इस मीटिंग में उठाई गई मांगों पर पॉजिटिव फ़ैसला लिया जाएगा। इससे उम्मीद है कि शहर में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

ज़रूरी सड़कों के लिए फंड और प्रशासनिक मंज़ूरी दें

MLA ऐलानी ने म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की इंडिपेंडेंट वॉटर सप्लाई स्कीम को मंज़ूरी देने, एक्सटेंडेड मुंबई इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम के तहत शहर की जरूरी सड़कों के लिए फंड और एडमिनिस्ट्रेटिव मंज़ूरी देने, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की नई एडमिनिस्ट्रेटिव बिल्डिंग बनाने के लिए टेंडर प्रोसेस शुरू करने के लिए 200 करोड़ रुपये का सरकारी फ़ैसला जारी करने और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में एक फुल-टाइम असिस्टेंट डायरेक्टर अर्बन प्लानिंग ऑफिसर नियुक्त करने की मांग भी प्रमुखता से रखी।

अंबरनाथ में शिवसेना-भाजपा में जबरदस्त तनातनी

■ विशेष आमसभा में ठनी
■ शिवसेना ने सभा को किया स्थगित

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की मंगलवार को हुई विशेष आमसभा में भाजपा और शिवसेना के बीच फिर से विवाद होने पर शिवसेना ने संख्या बल ज्यादा होने के आधार पर सभा को स्थगित कर दिया, तो दूसरी तरफ भाजपा ने नपा कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर शिवसेना के खिलाफ नारेबाजी करते हुए 'शिवसेना का धिक्कार हो, शिवसेना का निषेध हो' के नारे लगाए.

दोनों पक्षों के बीच तनातनी को देखते हुए पुलिस का बंदोबस्त बढ़ा दिया गया था. विशेष सभा में तीन मुद्दे परखे गए थे, जिसमें विस्थापितों को घर कहां दिया जाए, ये एक मुद्दा था. इस पर बहस चल रही थी कि शिवसेना के नगरसेवकों ने उनके माइक क्यों बंद रखे गए हैं? ये मुद्दा उठाया. शिवसेना नगरसेवक विकास सोमेश्वर ने तो एक मेगाफोन अपने साथ में लाकर उस पर आवाज उठाना शुरू कर दिया. शिवसेना के राजेंद्र वालेकर, अब्दुल शेख, गट नेता रवि करंजुले ने नगराध्यक्षा से पूछा कि उनके केवल तीन माईक चालू हैं. बाकी माईक बंद रखकर उनकी और जनता की आवाज दबाने का प्रयास पिछली महासभा में भी किया गया था. भाजपा की एक नगरसेविका के पति पर एमआरटीपी के तहत कार्रवाई की गई है. इसको मिनट बुक में लेने के लिए राजेंद्र वालेकर ने कहा. नगराध्यक्षा द्वारा इंकार किए जाने पर शिवसेना के सभी सदस्यों ने सभा त्याग करके उसे स्थगित करने को कहकर उठ कर चले गए. सभा के बाद भाजपा के अभिजीत करंजुले ने कहा कि नाले सफाई, विस्थापितों को अहम मुद्दे पर चर्चा ना करते हुए शिवसेना के नगरसेवक अंबरनाथ वासियों के साथ खिलवाड़ा कर रहे हैं. हम इस बात को लेकर जनता की बीच जाएंगे. रास्ते पर उतरेंगे. ऐसी चेतावनी करंजुले ने दी है, तो दूसरी ओर शिवसेना के राजेंद्र वालेकर ने कहा कि अगर अगली सभा में भी हमारी आवाज दबाने के लिए माइक को बंद रखा गया तो हम अगली सभा भी नहीं होने देंगे.

उन्होंने ये भी कहा कि विस्थापितों को जैसे एकता नगर में टूटे घरवालों को चिखलोली अथवा शेतकी सोसायटी में जगह देने का निर्णय लिया गया है. सभा में शिवसेना और भाजपा ने एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किया. ये हंगामा 30 अप्रैल को होने वाली जनरल बॉडी मीटिंग में भी जारी रहेगा, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है

खडवली हत्याकांड का खुलासा

■ पत्थर से मारकर दोस्त की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार
■ कल्याण तालुका पुलिस की कार्रवाई

कल्याण. बीते सप्ताह खडवली में हुए हत्याकांड की गुत्थी पुलिस ने सुलझा दी है। मामूली बात को लेकर दोस्त की हत्या करने वाले आरोपी को टिटवाला की कल्याण तालुका पुलिस ने मुंबई से गिरफ्तार किया।

आरोपी योगेश एकनाथ राणे (40) परेल, मुंबई का रहने वाला है। आरोप है कि योगेश ने उसके दोस्त राजू प्रभुलकर की पत्थर से मारकर हत्या करदी थी। कल्याण तालुका पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 अप्रैल को आरोपी योगेश राणे और मृतक राजू प्रभुलकर खडवली नदी में नहाने के लिए गए थे। कपड़े धोने से पहले योगेश ने उसके पैसे राजू के पास दिए थे। इसके बाद राजू पैसे लौटाए बिना वहां से जाने लगा। इस बात को लेकर दोनों में झगड़ा हो गया, और झगड़े के दौरान योगेश ने पत्थर से पीट-पीटकर राजू की हत्या कर दी।

इस केस में पुलिस के पास आरोपी के बारे में कोई सुराग नहीं था। बावजूद इसके गहन जांच कर आरोली को पकड़ने में पुलिस कामयाब हुई। कल्याण तालुका पुलिस के पुलिस निरीक्षक मुकेश ढगे ने बताया कि आरोपी को कल्याण कोट में पेश किया गया था, जहां उसे 2 मई तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया गया है।

खेमानी रोड पर हादसा

■ सुयोग से कोई हताहत नहीं

उल्हासनगर. सेंट्रल पुलिस स्टेशन के ठीक बगल में एक तेज़ रफ़्तार अर्टिगा कार के भयानक एक्सीडेंट से उल्हासनगर कैंप 3 इलाके में कुछ देर के लिए बड़ा हंगामा हुआ। खेमानी की ओर जाने वाले डांडिया मैदान के पास ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और कार ज़ोर से टकरा गई, और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

उल्हासनगर कैंप 3 में सेंट्रल पुलिस स्टेशन के पास खेमानी रोड पर डांडिया मैदान इलाके में एक तेज़ रफ़्तार अर्टिगा कार का एक्सीडेंट हुआ। ड्राइवर का अचानक तेज़ रफ़्तार कार से कंट्रोल खो गया, और गाड़ी सड़क पर ज़ोर से टकरा गई। एक्सीडेंट की खबर सुनते ही इलाके के लोग और पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव का काम शुरू किया। एक्सीडेंट से कुछ देर के लिए ट्रैफिक पर असर पड़ा।

इस वजह से सड़क पर गाड़ियों की कतारें लग गईं। खुशकिस्मती से कोई हताहत नहीं हुआ, एक बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने तुरंत हालात पर काबू पाया और ट्रैफिक को ठीक किया। इस घटना के कारण शहर में तेज गति से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ फिर से गुस्सा जाहिर किया जा रहा है।

मदद के बहाने युवती से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कल्याण. डोंबिवली में मानवता को झकझोर देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है, जहां एक अनाथ युवती को मदद का भरोसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता डोंबिवली में एक निजी संस्थान में कार्यरत है। कुछ दिनों पहले उसकी सहेली के परिवार द्वारा उसके साथ मारपीट की गई थी, जिसके बाद वह पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए सहायता की तलाश में थी। इसी दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्नैपचैट के माध्यम से उसकी पहचान क्रिश भोईर (22, निवासी निलजे गांव) से हुई। पीड़िता ने भरोसा कर आरोपी को मदद के लिए बुलाया। आरोपी ने उसे पुलिस स्टेशन ले जाने का झांसा दिया, लेकिन इसके बजाय उसे सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

इतना ही नहीं, आरोपी ने पीड़िता के मोबाइल से उसके गुगल-पे अकाउंट के माध्यम से अपने खाते में पैसे ट्रांसफर किए, उसका सिम कार्ड निकाल लिया और मोबाइल छीनकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने हिम्मत दिखाते हुए अगले दिन सुबह मानपाड़ा पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

उल्हास नदी पर बने जल शुद्धिकरण केंद्र पर जल पूजन

बदलापुर. विधायक किसन कथोरे और नगराध्यक्षा रुचिता घोरपड़े ने बदलापुर में उल्हास नदी पर बने बैराज जल शुद्धिकरण केंद्र पर जल पूजन किया और 'आइए जल बचाएं, पर्यावरण की रक्षा करें' का संदेश देकर जल प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा की।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर - जल प्रबंधन कार्रवाई पखवाड़ा - 2026' अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण पहल, 'गोड़ा-ते नर्मदा जलयात्रा' का आयोजन किया गया, जिसे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अवधारणा के तहत लागू किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत शुक्रवार को बदलापुर में उल्हास नदी बैराज जल शुद्धिकरण केंद्र पर जल कलश पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। MLA किसन कथोरे और नगराध्यक्षा रुचिता घोरपड़े ने जल पूजा की और सिंचाई विकास निगम के अधिकारियों को जल कलश सौंपा। इस पहल का मकसद पानी के संसाधनों को बचाना, नींव का सही इस्तेमाल करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी के संसाधनों को सुरक्षित रखना था। करागथ ने कहा कि पानी बचाना आज की ज़रूरत है और समाज के हर वर्ग को इस आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और 'पानी बचाओ, भविष्य बचाओ' का संदेश दूर-दूर तक फैलाने की ज़रूरत है।

BJP ने किया जोरदार आंदोलन

■ महिला आरक्षण का विरोध
■ भाजपा की महिलाओं का जनआक्रोश

उल्हासनगर. महिला आरक्षण बिल के खिलाफ खड़े कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों के खिलाफ BJP कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी का माहौल है। इसी पृष्ठभूमि में, सोमवार को भारतीय जनता पार्टी उल्हासनगर युवा मोर्चा और महिला मोर्चा की ओर से शहर में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस समय, BJP युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों के खिलाफ जोरदार नारे लगाए और उनके रुख की कड़ी आलोचना की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने वाले इस महत्वपूर्ण कानून का विरोध करना दुर्भाग्यपूर्ण है, और यह विपक्ष की मानसिकता को उजागर कर रहा है। 'जन आक्रोश आंदोलन' के तहत आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

विरोध प्रदर्शन के दौरान माहौल काफी गर्म रहा और कार्यकर्ताओं ने सरकार के समर्थन के साथ-साथ विपक्ष के विरोध में भी जोरदार तरीके से अपनी आवाज उठाई। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व युवा मोर्चा अध्यक्ष गुरदीप सिंह लबाना और महिला मोर्चा अध्यक्ष मंगला चंदा ने किया। इस मौके पर टीपीडी चेयरमैन मीना कौर लबाना, संध्या मराठे, भारती शर्मा, वैशाली शिरसाट, भूमि शर्मा, पूनम कालस्कर, रेखा पवार, सीमा जाधव, सोनाली साठे, स्नेहा चुग, हर्षद चावला और ज्योति खाड़े समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद थे।

डोंबिवली में कॉलेज स्टूडेंट का अपहरण

■ 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई

कल्याण. शिलफाटा रोड पर गोलावली इलाके में रीजेंसी अनंतम हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में अपने परिवार के साथ रहने वाले व के. वी. पेंढारकर कॉलेज में पढ़ने वाले 21 साल के स्टूडेंट को चार महीने पहले अनजान लोगों ने किडनैप कर लिया था। परिवार ने लड़के को कई जगहों पर ढूंढा लेकिन वह नहीं मिला। पिछले हफ्ते, चार महीने बाद, एक अनजान आदमी ने किडनैप हुए लड़के के घर पर मोबाइल फोन पर कॉन्टैक्ट किया। उसने अपने बेटे को छोड़ने के लिए 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी। नहीं तो अनजान आदमी ने लड़के की जान को खतरे में डालने की धमकी दी है।

किडनैप हुए स्टूडेंट का नाम शंकरनारायण धुलिपाला (21) है। वह के. वी. पेंढारकर कॉलेज में कॉमर्स के तीसरे साल में पढ़ रहा है। शंकरनारायण के पिता कृष्णा धुलिपाला मुंबई में काम करते हैं। शंकरनारायण का 12 जनवरी 2025 को दोपहर 2 बजे आदर्श विद्यानगरी, नेवाली नाका भाल इलाके में कोणार्क आइडियल कॉलेज में CA का पेपर था। यह पेपर शाम 5 बजे होना था। एग्जाम सेंटर पर समय पर पहुंचने के लिए शंकरनारायण दोपहर करीब 12 बजे घर से निकला।

वह रिक्शा से एग्जाम सेंटर जा रहा था। एग्जाम देने जाते समय वह अपना मोबाइल घर पर ही भूल गया था। शाम 6 बजे के बाद भी

शंकरनारायण घर नहीं आया। इसलिए, परिवार ने कॉलेज कैंपस, कल्याण, डोंबिवली रेलवे स्टेशन इलाके में उसकी तलाश की। उन्होंने रिश्तेदारों से पूछताछ की लेकिन वह कहीं नहीं मिला। इसलिए, पिता कृष्णा ने इस बारे में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। इस बच्चे का परिवार अभी भी तलाश कर रहा है।

मोबाइल फोन पर मैसेज

चार महीने बाद, पिछले हफ्ते, सुबह शंकरनारायण के घर इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन पर कृष्णाजी के नाम से एक छोटा मैसेज आया, जिसमें उसके पिता का नाम था। पिता कृष्णा ने पूछा कि वह कौन है। उस समय, उनके सामने अनजान व्यक्ति ने पूछा कि क्या उन्हें शंकरनारायण चाहिए। पिता ने हाँ में जवाब दिया। उस समय, उस आदमी ने कृष्णा को शंकरनारायण की फोटो भेजते हुए पहले 50 हज़ार रुपये भेजने को कहा और तुरंत उसे कैंसल कर दिया। कृष्णा ने फिर से फोटो भेजने की मांग की। उस समय, उसने ज़ोर दिया कि वह पहले 50 हज़ार रुपये भेजे। इससे धुलिपाला परिवार परेशान हो गया।

अज्ञात आदमी ने वीडियो कॉन्टैक्ट के ज़रिए शंकरनारायण के पिता से बात करना शुरू कर दिया। उसने धमकाया कि पुलिस को बताया, तो मैं बच्चे की जान के लिए कुछ भी कर दूंगा। कृष्णा उनसे बच्चे की फोटो भेजने के लिए कह रहा था। वह उनसे पहले 50 हज़ार रुपये भेजने को कह रहा था। पिता कह रहा था कि मैं अपने रिश्तेदारों और परिवार से संपर्क करके पैसे दे दूंगा। उस आदमी ने बच्चे की फोटो भेज दी। उसके बाद, उसने तुरंत उसे कैंसल कर दिया। वह आदमी कृष्णा से वीडियो कॉन्टैक्ट के ज़रिए बात करने लगा और लगातार 5 लाख रुपये की मांग करने लगा। उसने कृष्णा को गाली देते हुए कहा कि अगर उसने ये पैसे नहीं दिए तो बच्चे की जान ले ली जाएगी। यह सब देखकर कृष्णा धुलिपाला ने मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

कल्याण-शिलफाटा रोड पर भीषण हादसा

■ दो हैवी वेहिकल की आमने-सामने टक्कर
■ ड्राइवर घायल

कल्याण. ठाणे-शिलफाटा रोड पर भोलेनाथ नगर इलाके में भारी गाड़ियों के बीच हुए हादसे में दोनों गाड़ियों के ड्राइवर घायल हो गए हैं। मालवाहक गाड़ी में पेंट का बैरल सड़क पर गिर गया, जिससे पेंट सड़क पर फैल गया। इस वजह से यहां सड़क पर ट्रैफिक भी रुक गया। मंगलवार सुबह करीब 3 बजे ठाणे-शिलफाटा रोड पर एक कंटेनर ले जाया जा रहा था। इस कंटेनर में एक कंपनी की कुल 9 टन वजनी सात कारें थीं। कंटेनर ड्राइवर मोहम्मद मुमताज इन कारों को गुजरात से पुणे ले जा रहा था।

जब कंटेनर शिलफाटा के भोलेनाथ नगर इलाके में पहुंचा, तो मोहम्मद का गाड़ी से कंट्रोल खो गया और वह कंटेनर से एक ट्रक से टकरा गया। इस ट्रक में 6 टन पेंट के बैरल थे। हादसे की वजह से पेंट के बैरल सीधे सड़क पर बिखर गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद शील-डायघर पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे। साथ ही, ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के फायर ब्रिगेड के लोग और डिजास्टर मैनेजमेंट सेल के स्टाफ भी सिस्टम के साथ पहुंचे। इस एक्सीडेंट में कंटेनर ड्राइवर मोहम्मद और ट्रक ड्राइवर अंकुश बलिया घायल हो गए। अंकुश बलिया यह पेंट बैरल लेकर भिवंडी के मनकोली इलाके से खोपोली-खालापुर की ओर जा रहा था। एक्सीडेंट से यहां ट्रैफिक रुक गया। एक्सीडेंट वाली गाड़ियों से सड़क पर फैले पेंट पर मिट्टी फैल गई।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

असमय गर्मी के तीखे तेवर

हर वर्ष अप्रैल में गर्मी की शुरुआत हो जाती है, लेकिन इस साल तापमान के जो तेवर दिख रहे हैं, उससे यह साफ है कि मौसम में यह उतार-चढ़ाव सामान्य नहीं है। समूचे उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू की वजह से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है और कई शहरों में तापमान चालीस से बयालीस डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच गया है।

जिन दिनों लोग मई-जून की तेज गर्मी के लिए खुद को तैयार कर रहे होते हैं, उनका शरीर धीरे-धीरे अभ्यस्त हो रहा होता है, उसमें हालत यह है कि चिलचिलाती धूप की वजह से बहुत सारे लोगों के लिए सड़कों पर निकलना मुश्किल हो गया है और मौसम विभाग की ओर से सतर्क रहने के लिए चेतावनी जारी करनी पड़ रही है।

उसने जो पूर्वानुमान जारी किया, उसके मुताबिक आने वाले कुछ दिनों के दौरान देश के अलग-अलग हिस्सों में मिला-जुला मौसम बना रहेगा, जिसमें कहीं भीषण गर्मी के कारण स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ेंगी, तो कहीं थोड़ी राहत मिल सकती है। दरअसल, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ की वजह से उत्तर भारत के कई राज्यों में लू, उमस भरी गर्मी और गर्म रातों में आम लोगों की परेशानियां बढ़ गई हैं। वहीं कुछ इलाकों में आंधी और बिजली गिरने की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है।

मौसम की अपनी गति होती है और उसमें उतार-चढ़ाव की वजहें भी प्रकृति के चक्र का हिस्सा होती हैं। मगर पिछले काफी समय से जिस तरह वैश्विक ताप में बढ़ोतरी की वजह से गर्मी के दिनों में जटिलताएं खड़ी हो रही हैं, वह निश्चित रूप से दुनिया के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि दिल्ली में इस गर्मी में अधिकतम तापमान पैंतालीस डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो आमतौर पर मई के उत्तरार्ध और जून में दर्ज किया जाता रहा है।

इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ और तूफानों में भी कमी देखी गई, वहीं पिछले अल-नीनो के प्रभाव की वजह से गर्मी में सामान्य से ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। अगले दो-तीन दिनों में हल्की बारिश और मौसम में बदलाव का अनुमान है, लेकिन जाहिर है, तापमान में व्यापक उथल-पुथल और लू की आशंकाओं के बीच तेज धूप में निकलने से बचने, पानी पीते रहने और अन्य स्तर पर सावधानी ही बचाव का बेहतर उपाय है।

विमर्श परिवर्तन को तैयार दिखता बंगाल

रु बंगाल सिर्फ वोट नहीं डाल रहा है। वह अपने लोकतांत्रिक भविष्य की नई दिशा भी तय करता दिख रहा है। निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची के सघन संशोधन का जो अभियान चलाया, उससे राज्य भर से बड़े पैमाने पर संदिग्ध, मृत और स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव प्रक्रिया का सख्त और पारदर्शी होना केवल मतदान तक सीमित नहीं है। यह उस औपचारिक राज्य की वापसी है, जो लंबे समय तक स्थानीय शक्ति संरचनाओं के पीछे छिप गया था। मतदाता परिणाम और सुशासन के आधार पर सत्ता की वैधता तय करना चाहता है।

राजनीति विज्ञान का एक सीधा नियम है कि जहां अनौपचारिक शक्ति संरचनाएं और सिंडिकेट हावी होते हैं, वहां राज्य की औपचारिक क्षमता पूरी तरह कमजोर हो जाती है। यही स्थिति बंगाल में निवेश और विकास की सबसे बड़ी बाधा बन गई है। जो बंगाल कभी औद्योगिक उत्पादन का प्रमुख केंद्र था, वह आज रोजगार देने में काफी पिछड़ चुका है। जब भी कोई नया कारखाना या उद्यम शुरू होता है, स्थानीय बाहुबली उसमें दखल देते हैं। इससे निवेशक पीछे हटने पर मजबूर हो जाते हैं। जनता अब ऐसा तंत्र चाहती है, जो पारदर्शी हो और औपचारिक अर्थव्यवस्था को मजबूती दे।

यह चुनाव एक गहरे सामाजिक और पीढ़ीगत बदलाव का भी गवाह बन रहा है। नई पीढ़ी राजनीतिक निष्ठा के बजाय अवसरों के आधार पर प्राथमिकताएं तय कर रही है। आज का युवा मतदाता पारंपरिक झंडों और नारों का मोहताज नहीं है। उसे एक ऐसा तंत्र चाहिए जिस पर वह विश्वास कर सके। वह बेंगलुरु, पुणे या दिल्ली जैसी सुविधाओं और अवसरों को अपने ही राज्य में देखना चाहता है। जब यह महत्वाकांक्षा पूरी नहीं होती तो उसका गुस्सा सत्ता के खिलाफ मुखर होता है। राष्ट्रवाद, पारदर्शिता और विकास की राजनीति का जो नया विकल्प राज्य में उभर रहा है, वह इसी युवा वर्ग की आकांक्षाओं को स्वर देता दिख रहा है। राजनीति में नागरिक और सरकार के रिश्ते के मायने भी तेजी से बदल रहे हैं।

सरकार की मुफ्त राशन और नकद सहायता जैसी योजनाओं ने समाज के निचले तबके को फौरी राहत जरूर दी है, लेकिन अर्थशास्त्र और राजनीति का यह अनुभव बताता है कि एक सीमा के बाद कल्याणकारी योजनाओं का राजनीतिक प्रभाव घटने लगता है। खासकर तब, जब वे जनता की नई आकांक्षाओं को संतुष्ट नहीं कर पातीं। जब सरकार नागरिकों को स्थायी रूप से केवल 'लाभार्थी' मानकर चलने लगती है तो बुनियादी विकास पीछे छूट जाता है। यह निर्भरता समाज को आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ा नहीं होने देती। बंगाल का मतदाता अब कुछ सौ रुपयों की मासिक सहायता से आगे पक्का रोजगार और अपनी मेहनत का सम्मानजनक मोल चाहता है। सशक्तीकरण का यही माडल अब बंगाल के विमर्श में जगह बनाता प्रतीत हो रहा है।

जनसांख्यिकी और राष्ट्रीय सुरक्षा ऐसी चिंताएं बन चुकी हैं, जिन्हें अब किसी भी कीमत पर अनदेखा नहीं किया जा सकता। सीमावर्ती जिलों में घुसपैठ के आरोप और उनसे जुड़ी चिंताओं ने राज्य की सामाजिक पहचान पर एक बड़ी बहस छेड़ दी है। संदेशखाली जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सत्ता के करीब माने जाने वाले स्थानीय बाहुबलियों ने जिस प्रकार महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाई, उसने बंगाली भद्रलोक और ग्रामीण समाज को भीतर तक आहत किया। यह एक विशेष प्रकार की तुष्टीकरण की राजनीति का सीधा नतीजा है। राज्य का एक वर्ग कह रहा है कि इस तरह की नीतियों में कानून के समान शासन की पूरी तरह अनदेखी हो रही है।

उत्तर बंगाल के राजबंशी समुदाय से लेकर मतुआ समाज तक, सभी अपनी अस्मिता और अधिकारों को सुरक्षित रखना चाहते हैं। बंगाल की राजनीति में लंबे अरसे तक राजनीतिक हिंसा का इस्तेमाल अपना दबदबा बनाए रखने के हथियार के रूप में हुआ है। चुनाव से पहले लोगों को डराना और विरोधियों को निशाना बनाना यहां का कड़वा सच रहा है, लेकिन इस बार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भारी तैनाती और चुनाव आयोग के सख्त रवैये ने डर के उस माहौल को काफी हद तक खत्म कर दिया है।

विज्ञान और अध्यात्म के मूल में एक साँझेदारी है जो समान प्रश्नों के उत्तर ढूंढती है।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

ट्रंप पर हमले ने खड़े किए गंभीर सवाल

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मीडिया कर्मियों के लिए आयोजित रात्रिभोज में गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर में सबके कान खड़े कर दिए हैं। यह वारदात ऐसे मौके पर हुई, जब यहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी एवं प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। हालांकि बाद में सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन सवाल है कि विश्व की महाशक्ति होने का दंभ भरने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति की सुरक्षा में अपने ही देश के भीतर इस तरह की चूक कैसे हो सकती है?

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हमलावर आयोजन स्थल में सेंध लगाने में कैसे कामयाब हो गया! गोलीबारी की वजह से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और ट्रंप को उनकी पत्नी के साथ तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा। यह घटना सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि उन तमाम देशों के लिए भी सबक है, जो मानते हैं कि उनके शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा अभेद्य है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावर ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था, लेकिन यहां राष्ट्रपति की मौजूदगी से मामले की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप पर पहले भी दो बार हमले हो चुके हैं, हालांकि यह बात अलग है कि उस दौरान वे अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। मार्च 2016 में लास वेगास में राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान रैली में एक व्यक्ति ने मंच के पास पहुंचकर ट्रंप की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी का हथियार छीनने की कोशिश की थी।

हिरासत में पूछताछ में उसने स्वीकार किया था कि वह ट्रंप को नुकसान पहुंचाना चाहता था। इसके बाद जुलाई 2024 में चुनावी रैली में ट्रंप पर उस समय खतरनाक हमला हुआ था, जब वह मंच से भाषण दे रहे थे। मगर गनीमत रही कि हमलावर की ओर से चलाई गई गोली उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को छूकर निकल गई। यह बात समझ में आती है कि इन दो घटनाओं के दौरान ट्रंप राष्ट्रपति नहीं थे, इसलिए उनकी सुरक्षा का दायरा उतना बड़ा नहीं था, लेकिन उनके राष्ट्रपति होते हुए अगर सुरक्षा में किसी तरह की चूक होती है, तो व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है।

इस घटना की शुरुआती जांच में एक बात यह भी निकलकर सामने आई है कि हमलावर सोशल मीडिया पर ट्रंप विरोधी टिप्पणियां करता रहा है और वह उस होटल में कुछ दिन पहले ठहरा था, जहां यह समारोह आयोजित किया गया था। यानी उसने आयोजन स्थल को पहले ही अच्छी तरह जांच परख लिया था और उसके बाद सुनियोजित तरीके से कार्यक्रम में घुसने की साजिश रची। यही नहीं खबरों के मुताबिक, हमलावर के परिवार ने उसकी मंशा को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को पहले सतर्क भी किया था, लेकिन स्पष्ट है कि इस चेतावनी को गंभीरता से नहीं लिया गया।

इस घटना के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर यह कार्यक्रम व्हाइट हाउस में निर्माणाधीन सैन्य रूप से अत्यंत गोपनीय 'बालरूम' में हुआ होता, तो इस तरह की वारदात नहीं होती। अदालत ने इस निर्माण पर फिलहाल रोक लगा रखी है। मगर सवाल सिर्फ किसी एक सुरक्षित स्थान का नहीं है। राष्ट्रपति को दिनभर कई जगह कार्यक्रमों और बैठकों में हिस्सा लेना होता है। अमेरिका जैसे देश में राष्ट्र प्रमुख की सुरक्षा का घेरा दुनिया में सबसे मजबूत माना जाता है, लेकिन यहां भी अगर सुरक्षा में चूक हो जाए, तो इसे क्या कहा जाएगा?

दूल्हा-दुल्हन को दहकते अंगारों पर लेने होते हैं 7 फेरे

जरा हट के

छत्तीसगढ़ में आज भी दशकों पुरानी परंपराएं निभाई जाती हैं. रायगढ़ जिले में विवाह से जुड़ी एक ऐसी ही अनोखी परंपरा चली आ रही है. यहां राठिया परिवार में जब कोई दुल्हन आती है, तो उसे पति के साथ जलते हुए अंगारों पर चलना पड़ता है. यह अग्निपरीक्षा परिवार की पहचान बन चुकी है. जिले के भूपदेवपुर स्थित बिलासपुर गांव में राठिया परिवार रहता है. कुछ दिनों पहले बिलासपुर के जयप्रकाश राठिया की शादी हुई थी. बाड़ादरहा गांव में उनकी शादी हुई. बारात जब घर लौटी, तो इस अनूठी रस्म का आयोजन किया गया. नवदंपति को घर में प्रवेश से पहले जलते अंगारों पर सात फेरे लेने पड़े. यह रस्म देखने के लिए ज्यादातर गांववाले वहां मौजूद रहे थे.

दूल्हे जयप्रकाश के पिता मेहत्तर राठिया ने इस परंपरा के बारे में बताते हुए कहा कि दुल्हन के घर आने से पहले पूरा परिवार व्रत रखता है. इस व्रत में परिजन पानी तक नहीं पीते हैं. गांव पहुंचने पर नवदंपति का स्वागत किया जाता है. उन्हें नए वस्त्र, आभूषण आदि भेंट किए जाते हैं. इसके बाद हमारी दशकों पुरानी परंपरा की तैयारी की जाती है. मंडप को सभी तरफ से ढक दिया जाता है.

अवतरित हुए देवता

परंपरा की प्रक्रिया शुरू होते ही मेहत्तर राठिया पर देवता अवतरित हुए. उन्होंने चूल्हे से जलते हुए अंगार लाकर मंडप के चारों ओर बिछा दिए. वह खुद दहकते अंगारों पर नृत्य करने लगे. इसके बाद नवदंपति ने एक-दूसरे का हाथ थामकर अंगारों पर चलते हुए सात फेरे लिए.

मेहत्तर राठिया ने कहा कि उनके परिवार की इस रस्म के पीछे गहरी आस्था है. यह अग्निपरीक्षा नवदंपति के शुरू हो रहे नए रिश्ते और पवित्रता की मजबूत नींव मानी जाती है. वहीं परिवार के लोग इसे देवी-देवता की कृपा पाने से भी जोड़ते हैं. ऐसा माना जाता है कि नवदंपति अग्नि पर चल जीवन की मुश्किलों को सहने और हर परिस्थिति में एक-दूसरे का साथ निभाने का संकल्प लेते हैं.

रागी इडली

खाना-खजाना

■ **सामग्री**

- रागी का आटा- 1 कप
- इडली चावल- 1 कप
- उड़द दाल- ½ कप
- मेथी दाना- ½ छोटी चम्मच
- नमक- स्वादानुसार

■ **बनाने का तरीका**

सबसे पहले उड़द दाल और मेथी दाने को एक बर्तन में और चावल को दूसरे बर्तन में 4-5 घंटे के लिए भिगो दें। अब दाल को बारीक पीस लें और चावल को थोड़ा दरदरा पीसें। अब इसमें रागी का आटा और नमक मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। इस घोल को 8-10 घंटे या पूरी रात के लिए किसी गर्म जगह पर ढककर रख दें, ताकि यह अच्छे से फर्मेंट हो सके। इसके बाद इडली स्टैंड को तेल से ग्रीस करें। घोल को सांचों में डालें और 10-12 मिनट तक भाप में पकाएं। आपकी नरम रागी इडली तैयार है।

पौष्टिक सांभर

■ **सामग्री-**

- अरहर दाल- ½ कप
- सब्जियां- सहजन, कद्दू, गाजर, बैंगन और प्याज।
- इमली का गूदा- 2 बड़े चम्मच
- सांभर मसाला- 2 बड़े चम्मच
- तड़के के लिए- राई, करी पत्ता, सूखी लाल मिर्च और हींग।

■ **बनाने का तरीका**

सबसे पहले दाल को हल्दी और थोड़ा नमक डालकर कुकर में 3-4 सीटी आने तक पका लें। इसे अच्छी तरह मैश कर लें। अब एक अलग कड़ाही में सब्जियों को थोड़ा पानी और नमक के साथ तब तक पकाएं जब तक वे नरम न हो जाएं। पकी हुई सब्जियों में उबली हुई दाल, इमली का गूदा और सांभर मसाला डालें। जरूरत के हिसाब से पानी डालकर इसे 5-7 मिनट तक उबलने दें।

अब एक छोटे पैन में तेल गर्म करें। इसमें राई, हींग, सूखी लाल मिर्च और करी पत्ता डालें। जब राई चटकने लगे, तो इसे सांभर के ऊपर डाल दें। सांभर बनकर तैयार है।

गर्मी में शरीर को ठंडा रखना है तो...

डाइट में जरूर शामिल करें ये चीजें

गर्मी का मौसम आते ही शरीर में थकान, चिड़चिड़ापन, पसीना, डिहाइड्रेशन और लू जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं. ऐसे में सिर्फ ठंडा पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि सही ठंडी तासीर वाले और पानी से भरपूर फूड्स को डाइट में शामिल करना भी जरूरी होता है. ये फूड्स शरीर का तापमान संतुलित रखते हैं और एनर्जी भी बनाए रखते हैं. आइए जानते हैं गर्मी में शरीर को अंदर से ठंडा रखने वाले परफेक्ट फूड्स के बारे में.

1. खीरा

खीरा लगभग 95% पानी से बना होता है. यह शरीर को हाइड्रेट रखता है और पेट को ठंडक देता है. रोज सलाद या रायते के रूप में खीरा खाने से गर्मी से राहत मिलती है.

2. तरबूज

तरबूज गर्मी का सबसे बेहतरीन फल माना जाता है. इसमें पानी, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर होते हैं. यह शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ डिहाइड्रेशन से बचाता है.

3. दही और छाछ

दही और इससे बनी छाछ पाचन को दुरुस्त रखती है और शरीर की गर्मी कम करती है. दोपहर के भोजन के साथ छाछ पीना लू से बचाव में मददगार होता है.

4. नारियल पानी

नारियल पानी को नैचुरल एनर्जी ड्रिंक कहा जाता है. यह इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है और शरीर को तुरंत ठंडक देता है. रोज 1 गिलास नारियल पानी गर्मी में बहुत फायदेमंद है.

5. पुदीना

पुदीने की तासीर ठंडी होती है. पुदीने की चटनी, जलजीरा या पुदीना पानी पीने से शरीर में ठंडक और ताजगी बनी रहती है.

6. सत्तू

सत्तू को गर्मी का सुपरफूड कहा जाता है. सत्तू का शरबत पेट को ठंडा रखता है, शरीर को एनर्जी देता है और देर तक भूख नहीं लगने देता.

7. ककड़ी और लौकी

ककड़ी और लौकी दोनों ही पानी से भरपूर और हल्की सब्जियां हैं. ये पचाने में आसान होती हैं और शरीर का तापमान संतुलित रखती हैं.

8. आम पन्ना

कच्चे आम से बना आम पन्ना लू से बचाने में बेहद असरदार होता है. यह शरीर में नमक और पानी का संतुलन बनाए रखता है.

किन चीजों से बचें

- गर्मी में बहुत ज्यादा तला-भुना, मसालेदार, कैफीन और शराब से दूरी बनाना बेहतर रहता है, क्योंकि ये शरीर की गर्मी बढ़ाते हैं.
- अगर आप गर्मी में खुद को स्वस्थ, एक्टिव और ठंडा रखना चाहते हैं, तो इन फूड्स को रोजमर्रा की डाइट में जरूर शामिल करें. सही खान-पान से गर्मी का असर काफी हद तक कम किया जा सकता है.

आज का राशिफल

मेष : जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। कोई नई समस्या आ सकती है।

वृषभ : रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पार्टनरों से मतभेद संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन : नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। छोटे भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क : मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

सिंह : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मातहतों से अनबन हो सकती है। कुसंगति से हानि होगी। पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते कामों में बाधा हो सकती है।

कन्या : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। किसी बड़े काम करने की योजना बनेगी। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा।

तुला : जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यय होगा। किसी पारिवारिक आयोजन का हिस्सा बन सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा।

वृश्चिक : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

धनु : वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय में निश्चितता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लाभ बढ़ेगा। यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ : सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में वृद्धि होगी। आय बढ़ेगी। घर में प्रसन्नता रहेगी। ऐश्वर्य पर व्यय हो सकता है। नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। तनाव हावी रहेंगे।

मीन : व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बच्चों को लू से कैसे बचाएं!

■ **माता-पिता रखें इन बातों का ध्यान?**

गर्मियों का मौसम आते ही धूप की तीखी तपिश हर किसी को परेशान करने लगती है, लेकिन सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ता है. खासकर 0 से 16 साल तक के बच्चे लू की चपेट में जल्दी आ जाते हैं, क्योंकि उनका शरीर तापमान को संतुलित करने में उतना सक्षम नहीं होता. ऐसे में माता-पिता के लिए यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि बच्चों को लू से कैसे बचाया जाए, उनका खानपान कैसा हो और दिनचर्या में क्या बदलाव किए जाएं. यह सिर्फ सावधानी का मामला नहीं है, बल्कि बच्चों की सेहत और सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा सवाल है. अगर थोड़ी समझदारी से कदम उठाए जाएं, तो गर्मी के इस मौसम को बच्चों के लिए सुरक्षित और आरामदायक बनाया जा सकता है.

■ **बच्चों पर लू का असर क्यों ज्यादा होता है?**

बच्चों का शरीर वयस्कों की तुलना में जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है. वे खेलते-खेलते पानी पीना भूल जाते हैं और धूप में ज्यादा देर रहने से उनका शरीर जल्दी गर्म हो जाता है. छोटे बच्चों को यह समझ भी नहीं होता कि कब उन्हें आराम करना चाहिए.

गर्मियों का मौसम आते ही धूप की तीखी तपिश हर किसी को परेशान करने लगती है, लेकिन सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ता है. खासकर 0 से 16 साल तक के बच्चे लू की चपेट में जल्दी आ जाते हैं, क्योंकि उनका शरीर तापमान को संतुलित करने में उतना सक्षम नहीं होता. ऐसे में माता-पिता के लिए यह जानना बेहद जरूरी हो जाता है कि बच्चों को लू से कैसे बचाया जाए, उनका खानपान कैसा हो और दिनचर्या में क्या बदलाव किए जाएं. यह सिर्फ सावधानी का मामला नहीं है, बल्कि बच्चों की सेहत और सुरक्षा से जुड़ा एक बड़ा सवाल है. अगर थोड़ी समझदारी से कदम उठाए जाएं, तो गर्मी के इस मौसम को बच्चों के लिए सुरक्षित और आरामदायक बनाया जा सकता है.

बच्चों पर लू का असर क्यों ज्यादा होता है?

बच्चों का शरीर वयस्कों की तुलना में जल्दी डिहाइड्रेट हो जाता है. वे खेलते-खेलते पानी पीना भूल जाते हैं और धूप में ज्यादा देर रहने से उनका शरीर जल्दी गर्म हो जाता है. छोटे बच्चों को यह समझ भी नहीं होता कि कब उन्हें आराम करना चाहिए.

गर्मियों में बच्चों का सही रूटीन

बच्चों की दिनचर्या में थोड़ा बदलाव बहुत फर्क ला सकता है.

सुबह जल्दी उठना, हल्की एक्सरसाइज या खेल और फिर दोपहर में घर के अंदर आराम करना जरूरी है. 11 बजे से 4 बजे के बीच बच्चों को बाहर न जाने दें.

■ **कपड़ों और नींद का भी रखें ध्यान**

बच्चों को ढीले, हल्के रंग के सूती कपड़े पहनाएं. रात में अच्छी नींद भी जरूरी है ताकि उनका शरीर दिनभर की थकान से उबर सके.

आपके साबूदाना वड़े नहीं बनते कुरकुरे?

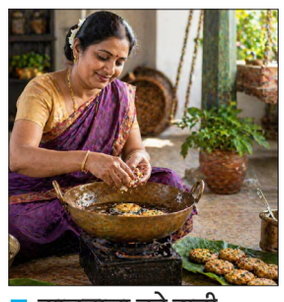

■ **साबूदाना को सही तरीके से न भिगोना**

सबसे पहली और सबसे आम गलती है साबूदाना को सही तरीके से न भिगोना. अगर इसे ज्यादा देर तक पानी में रखा जाए, तो यह बहुत ज्यादा नरम होकर चिपचिपा हो जाता है और तलते समय टूटने लगता है. वहीं अगर कम भिगोया जाए, तो दाने सख्त रह जाते हैं और वड़ा ठीक से नहीं बनता. सही तरीका यह है कि साबूदाना को इतना ही भिगोएं कि वह हल्का नरम हो जाए लेकिन अपना आकार बनाए रखे.

■ **अतिरिक्त पानी न निकालना**

भिगोने के बाद साबूदाना में अगर पानी बचा रह जाए, तो यह मिश्रण को ढीला कर देता है. इससे वड़े तलते समय फैल जाते हैं और ज्यादा तेल सोख लेते हैं. इसलिए साबूदाना को अच्छे से छानकर कुछ देर के लिए खुला छोड़ दें, ताकि उसमें से अतिरिक्त नमी खत्म हो जाए.

■ **आलू की मात्रा का गलत संतुलन**

साबूदाना वड़े में आलू बाइंडिंग का काम करता है. अगर आलू ज्यादा डाल देंगे, तो वड़ा भारी और चिपचिपा हो जाएगा. अगर कम डालेंगे, तो वड़ा टूट सकता है. इसलिए आलू की मात्रा संतुलित रखें, ताकि मिश्रण सही तरीके से बंध सके.

■ **तेल का तापमान सही न होना**

तेल का तापमान बहुत ज्यादा या बहुत कम होना भी एक बड़ी गलती है. ज्यादा गर्म तेल में वड़ा बाहर से जल्दी पक जाता है लेकिन अंदर से कच्चा रह जाता है. वहीं ठंडे तेल में वड़ा ज्यादा तेल सोख लेता है. इसलिए हमेशा मीडियम गर्म तेल में वड़े तलें, ताकि वह बाहर से कुरकुरा और अंदर से सॉफ्ट बने.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

शादी की दावत खाकर 150 लोग बीमार; उल्टी, पेट दर्द से परेशान, अस्पताल में भर्ती

संभल. संभल जिले के रजपुरा थाना क्षेत्र के गांव धर्मपुर में रविवार रात शादी समारोह की दावत खाने के बाद 150 से अधिक लोग फूड प्वाइजनिंग का शिकार हो गए। खाने के कुछ ही घंटों बाद बारातियों और ग्रामीणों को उल्टी, दस्त और पेट दर्द की गंभीर शिकायतें होने लगीं। चौंकाने वाली बात यह रही कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने के बावजूद स्वास्थ्य विभाग की कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची, मजबूरी में ग्रामीणों ने मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया। गांव निवासी वीरपाल की बेटी की शादी में सिंघोला दौलत सिंह गांव से बारात आई थी। रविवार रात विवाह समारोह में परोसा गया भोजन करने के बाद अचानक लोगों की हालत बिगड़ने लगी। देखते ही देखते बीमारों की संख्या 150 के पार पहुंच गई। अचानक हुए घटनाक्रम से अफरा-तफरी मच गई। लोग बीमार बच्चों, बुजुर्गों को लेकर अस्पतालों की ओर दौड़ पड़े। गुन्नौर के एसडीएम विकास चंद्र ने बताया कि खाद्य विभाग की टीम ने सैंपल ले लिए हैं। जांच की जा रही है।

नजराना लेना किन्नरों का कानूनी हक नहीं

प्रयागराज. इलाहाबाद हाई कोर्ट ने ट्रांसजेंडरों (किन्नरों) के पारंपरिक बधाई उपहारों को लेकर दिए एक अहम आदेश में कहा है कि उनके पास ऐसे उपहार या पारंपरिक भेंट (नजराना) लेने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। रेखा देवी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के केस में 15 अप्रैल को दिए इस महत्वपूर्ण फैसले में, न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ ने किन्नर रेखा देवी द्वारा अन्य किन्नरों द्वारा कथित रूप से अपने 'क्षेत्रीय अधिकार क्षेत्र' के अतिक्रमण के खिलाफ सुरक्षा की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया।

युवक की निर्मम हत्या, चेहरे को तेजाब से जलाया; मर्डर की बात सुनकर पत्नी बेहोश

कानपुर. कानपुर के कैंट के गोलाघाट में रहने वाले 34 वर्षीय मोनू की शुक्लागंज में बेरहमी से हत्या कर दी गई। उसका रक्तरंजित शव सोमवार सुबह गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के नरबीजपुर गांव को जाने वाले मार्ग पर पड़ा मिला। उसकी पहचान मिटाने के लिए हत्यारों ने चेहरा तेजाब से जला दिया था। वह रविवार की शाम को घर से किसी से रुपये लेने की बात कहकर शुक्लागंज के लिए निकला था। कैंट थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज थी। कैंट के गोलाघाट निवासी ओम कैलाश के तीन बेटे सनी, सोनू और 34 वर्षीय मोनू था। सभी की शादी हो चुकी है। मोनू सिम कैनोपी लगाने का काम करता था।

पिता बना कसाई; मासूम को मार डाला

कुशीनगर. अभी हाल ही में और के कानपुर में एक पिता ने 11 साल की अपनी जुड़वा बेटियों को गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया था। अब ऐसी ही एक खबर कुशीनगर से आई है। यहां एक पिता पर अपने दूधमुंहे बेटे को मौत के घाट उतारने और फरार हो जाने का आरोप लगा है। बच्चे की मां का कहना है कि रात में पति और उसके बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद सब सो गए। पत्नी ने आरोप लगाया कि रात में किसी वक्त पति ने बेटे को गला दबाकर मार डाला। मासूम बेटे की हत्या के बाद वह फरार हो गया। सुबह वह जब नींद से जागी तो बेटे को मरा पाकर सन्न रह गई। उसने रोते-बिलखते पति को फोन किया तो उसने खुद के गोरखपुर पहुंचने की बात बताई। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुला लिया। मौके पर पहुंची तरयासुजान पुलिस ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।

यूपी का बांदा दुनिया में सबसे गर्म, पारा 47.6°

- जैसलमेर-खजुराहो का तापमान 46C
- दिल्ली में बस स्टॉप पर ORS मिलेगा
- देशभर में हीट स्ट्रोक यूनिट बनेंगी

नई दिल्ली. उत्तर प्रदेश और राजस्थान में सोमवार को गर्मी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। बांदा 47.6°C के साथ दुनिया का सबसे गर्म शहर रहा। यहां 30 अप्रैल 2022 और 25 अप्रैल 2026 को 47.4°C तापमान रहा था।

सोमवार को राजस्थान के जैसलमेर में 46.4°C तापमान दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश के खजुराहो में पारा 46°C पहुंच गया, जो पिछले 10 साल में सबसे ज्यादा है।

जैसलमेर-खजुराहो के अलावा देश के 4 शहरों में पारा 46°C या इससे ज्यादा रहा। इनमें बाड़मेर 46°C, वर्धा 46.5°C, अमरावती 46.6°C और अकोला 46.3°C शामिल हैं।

बढ़ती गर्मी और हीटवेव को देखते हुए केंद्र ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थानों में हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

इधर, दिल्ली में लोगों को गर्मी से निजात देने के लिए बसों में ठंडा पानी रखा जाएगा। बस स्टॉप पर मुफ्त ठंडा पानी और ORS मिलेगा।

इस साल अप्रैल में 45 बार पारा 45°C पार

बांदा का 47.6°C तापमान अप्रैल महीने के इतिहास में दर्ज देश का सबसे ज्यादा तापमान है। इस साल अप्रैल में अब तक करीब 45 बार देश के अलग-अलग वेदर स्टेशनों पर तापमान 45°C से ऊपर दर्ज हुआ। यह 2022 के बाद सबसे ज्यादा है। उस साल 56 बार ऐसा हुआ था। मतलब ये कि इस बार अप्रैल का महीना पिछले 4 साल में सबसे गर्म रहा है। हालांकि, मौसम विभाग का अनुमान है कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होगा। इसका असर खत्म होते ही मई के पहले हफ्ते से पारा फिर चढ़ेगा, जिससे लू का प्रकोप बढ़ेगा। मई में राजस्थान और यूपी के कुछ इलाकों में पारा 48-50°C के करीब पहुंच सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में वकील बोले-

हिजाब धर्म में जरूरी, लेकिन स्कूल में नहीं पहन सकते

नई दिल्ली. केरलम के सबरीमाला मंदिर सहित अन्य संप्रदायों के धार्मिक स्थलों में महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव से जुड़ी याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। मंगलवार को सुनवाई का 9वां दिन है।

मस्जिद दरगाह में महिलाओं के प्रवेश के खिलाफ दलील दे रहे एडवोकेट निजाम पाशा ने कहा कि कोई व्यक्ति हिजाब को धार्मिक रूप से अनिवार्य मान सकता है, लेकिन स्कूल के नियम अलग हो सकते हैं। मतलब धार्मिक विश्वास हमेशा संस्थागत नियमों से ऊपर नहीं होगा।

अगर किसी मोहल्ले की मस्जिद सबके लिए खुली हो तो भी कोई जाकर घंटी नहीं बजा सकता। आरती नहीं कर सकता, क्योंकि उस जगह की अपनी धार्मिक मर्यादा है। कुरान बहुत संक्षिप्त है। उसमें हर प्रथा डिटेल में नहीं लिखी। पैगंबर की परंपरा भी धार्मिक प्रथा का हिस्सा है। मतलब सिर्फ किताब में लिखा होना ही 'जरूरी अधिकार' तय नहीं करता।

23 अप्रैल को पिछली सुनवाई में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) ने कोर्ट से कहा था कि इस्लाम महिलाओं को नमाज के लिए मस्जिद आने से नहीं रोकता, लेकिन यह बेहतर है कि वे घर पर ही इबादत करें।

गुजरात - सभी 15 नगर निगमों में BJP जीती

- अहमदाबाद में पुलिस-भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प
- जडेजा की बहन राजकोट से हारी

गांधीनगर. गुजरात में स्थानीय निकाय चुनावों के मंगलवार को वोटों की गिनती जारी है। बीजेपी ने सभी 15 नगर निगमों पर जीत दर्ज कर ली है। इनमें मेहसाणा, मोरबी, नाडियाड और वापी ऐसे नगर निगम है, जहां पहली बार चुनाव हुए थे। अहमदाबाद में गिनती के दौरान पुलिस और भाजपा कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। वहीं, क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की बहन नयनाबा कांग्रेस की टिकट पर राजकोट से हार गई हैं। सूरत नगर निगम की 120 सीटों में से भाजपा ने 115 सीटें जीती हैं। वहीं, AAP 4 सीटों पर सिमट गई है। AAP ने 2021 में 27 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में एक सीट गई है।

4 करोड़ से ज्यादा मतदाताओं ने वोट किया

15 नगर निगम, 84 नगरपालिका, 34 जिला पंचायत और 260 तालुका पंचायत के लिए 26 अप्रैल को वोटिंग हुई थी। इनमें 4 करोड़ 18 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने वोट डाले थे। 15 नगर निगमों में 55.1% मतदान हुआ। नगरपालिकाओं में 65.53%, जिला पंचायतों में 66.64% और तालुका पंचायतों में 67.26% वोटिंग दर्ज की गई थी।

सिंघम IPS अजय पाल शर्मा के खिलाफ FIR

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा थाने में आईपीएस अजय पाल शर्मा के खिलाफ FIR दर्ज हुई है। उन पर रात के वक्त घरों में जबरन घुसकर महिलाओं के साथ मारपीट करने का आरोप है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़ितों में से एक महिला ने खुद यह शिकायत दर्ज कराई है। इसमें कहा गया कि शर्मा केंद्रीय बलों के जवानों के साथ पहुंचे थे। मालूम हो कि IPS के उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी अजय पाल शर्मा को चुनाव आयोग की ओर से पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इससे पहले, फाल्टा विधानसभा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान ने शर्मा के क्षेत्र का दौरा करने पर आपत्ति जताई थी। खान ने कहा कि अगर शर्मा सिंघम हैं, तो वह पुष्पा हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आतंकवाद पर दोहरा रवैया नहीं चलेगा

SCO की बैठक में चीन के सामने ही पाक को झाड़ने लगे राजनाथ सिंह

बिश्केक. किर्गिस्तान के बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को बेहद कड़ा संदेश दिया है। राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान को सुनाते हुए कहा कि किसी भी कीमत पर सरकार प्रायोजित 'सीमापार आतंकवाद' की अनदेखी नहीं की जा सकती है और इस मामले को लेकर दोहरा मापदंड अपनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान को टारगेट करते हुए साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने अपना दृढ़ संकल्प दिखा दिया था और बता दिया है कि आतंकवाद के पनाहगाहों को अब किसी तरह की छूट नहीं मिलने वाली है।

बता दें कि एससीओ में चीन रूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान और बेलारूस भी शामिल हैं। राजनाथ सिंह ने चीन के प्रतिनिधि के सामने भी पाकिस्तान को सुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उन्होंने कहा, 'हमें सरकार द्वारा प्रायोजित उस सीमा पार आतंकवाद को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए जो किसी राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला करता है।' सिंह ने कहा, 'दोहरे मापदंड की कोई गुंजाइश नहीं है और एससीओ को आतंकवादियों को उकसाने, उन्हें पनाह देने और सुरक्षित ठिकाने उपलब्ध कराने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग करने में हिचकिचाना नहीं चाहिए।'

रक्षा मंत्री ने आतंकवाद से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर समन्वित प्रयासों की वकालत की। उन्होंने कहा, "हम कट्टरपंथ, चरमपंथ और आतंकवाद के रूप में बढ़ती चुनौती का भी सामना कर रहे हैं। आतंकवाद उभरती विश्व व्यवस्था के लिए सबसे गंभीर खतरा बन गया है।" सिंह ने कहा, "इस परिदृश्य में एससीओ हमारे साझा मूल्यों पर आधारित एक संगठन के रूप में उभरा।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर मिसाइल अटैक, 7 की मौत

- 6 PAK सैनिकों की मौत के बाद किया जवाबी हमला

अफगानिस्तान के पूर्वी प्रांत कुनार में सोमवार को हुए हमलों में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 75 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों में यूनिवर्सिटी के छात्र, बच्चे और आम नागरिक शामिल हैं।

BBC के मुताबिक स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि राजधानी असदाबाद में घरों के साथ-साथ सैयद जमालुद्दीन अफगानी यूनिवर्सिटी को भी निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के उप प्रवक्ता हमदुल्लाह फितरत ने आरोप लगाया है कि ये हमले पाकिस्तान की तरफ से किए गए।

उनका कहना है कि सोमवार दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुए इन हमलों में मोर्टार और रॉकेट दागे गए। वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय का कहना है कि यूनिवर्सिटी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाने की खबरें पूरी तरह गलत हैं।

पाकिस्तान के 6 सैनिकों की मौत, एक बंधक

इससे पहले रविवार को अफगानिस्तान के कंधार इलाके में पाकिस्तान के साथ सीमा पर फिर हिंसक झड़प की घटना हुई थी। खामा प्रेस ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि स्पिन बोल्डक इलाके में रात के दौरान दोनों पक्षों के बीच फायरिंग हुई। इसमें पाकिस्तान के छह सैनिक मारे गए। तालिबानी लड़ाके एक सैनिक को बंधक बनाकर ले गए। पाकिस्तानी सैनिकों के हथियार भी लेकर चले गए। हालांकि, इन दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि देर रात पाकिस्तान की तरफ से सीमा पार फायरिंग हुई, जिसमें एक स्थानीय बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद तालिबान ने जवाबी हमला किया।

सिक्किम में बच्चों संग फुटबॉल खेलते नजर आए PM मोदी

- गोल मारकर हाई फाइव से किया सेलिब्रेट

गंगटोक. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पोर्ट्समैन वाला खास अंदाज मंगलवार को सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दरअसल सिक्किम के दो दिवसीय दौरे पर आए पीएम मोदी ने मंगलवार सुबह यहां कुछ लड़कों और लड़कियों के साथ फुटबॉल खेला। इसकी कुछ तस्वीरें और वीडियो उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं जो काफी वायरल हो रही हैं। इस दौरान पीएम मोदी अलग लुक में भी दिखे।

तस्वीरें शेयर कर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि यह सेशन काफी मजेदार रहा। प्रधानमंत्री ने एक पोस्ट में कहा, "गंगटोक की सुहावनी सुबह में सिक्किम के अपने युवा मित्रों के साथ फुटबॉल खेलने का अलग की आनंद है। इन युवाओं के साथ यह फुटबॉल सत्र सचमुच ऊर्जा देने वाला रहा।"

वहीं एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने वीडियो शेयर कर लिखा कि उन्होंने बच्चों के साथ फुटबॉल खेलकर काफी कुछ सीखा। वीडियो में पीएम मोदी कई गोल लगाते भी दिखे। इससे पहले उन्होंने बच्चों के साथ वार्मअप सेशन में हिस्सा लिया और बच्चों से उन्हें फुटबॉल सीखाने की बात भी कही। इसके बाद पीएम मोदी ने बच्चों संग फुटबॉल का पूरा लुफ्त उठाया, जहां गोल करने के बाद हाई फाइव लगाकर सेलिब्रेट करते भी दिखे।

यूएई के OPEC छोड़ने से भारत में बढ़ेंगे पेट्रोल-डीजल के दाम?

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने अचानक OPEC और OPEC+ को अलविदा कहकर पूरी दुनिया के ऊर्जा बाजार में खलबली मचा दी है। ईरान युद्ध की वजह से पहले से ही तेल का गहरा संकट बना हुआ है और वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर हो गई है। भारत कच्चे तेल के मामले में आयात पर निर्भर है।

ऐसे में अगर वैश्विक सप्लाई पर असर पड़ता है तो भारत भी इससे अछूता नहीं रहेगा। यूएई से भारत बड़ी मात्रा में तेल आयात करता रहा है। जाहिर सी बात है कि इतने बड़े सप्लायर से अगर तेल की सप्लाई ठप होती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा होगा और इसका असर भारत पर भी पड़ेगा।

कोहली IPL में 9 हजार रन बनाने वाले पहले बैटर

- दिल्ली का पावरप्ले में सबसे कम स्कोर
- बेंगलुरु ने 81 बॉल रहते मैच जीता

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने IPL 2026 के 39वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 9 विकेट से हरा दिया। सोमवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में दिल्ली की बल्लेबाजी फ्लॉप रही। टीम ने पावरप्ले का सबसे कम स्कोर बनाया। दिल्ली की पारी 75 रन पर ढेर हो गई। जवाब ने बेंगलुरु ने 81 गेंद रहते टारगेट हासिल कर लिया। 23 रन बनाकर नाबाद रहने वाले विराट कोहली IPL इतिहास में 9 हजार रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन गए।

- 6 ओवर में सिर्फ 13 रन बना सकी दिल्ली

दिल्ली ने पावरप्ले में 6 विकेट खोकर मात्र 13 रन बनाए। यह IPL इतिहास में पावरप्ले का सबसे कम स्कोर है। दूसरे नंबर पर राजस्थान रॉयल्स हैं, जिसने 2009 में RCB के खिलाफ 2 विकेट खोकर 14 रन बनाए थे।

- दिल्ली ने सिर्फ 7 रन पर 5 विकेट गंवा दिए

इस मैच में दिल्ली ने सिर्फ 7 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए थे। इसके बावजूद यह IPL में सबसे कम रन में 5 विकेट गंवाने का रिकॉर्ड नहीं है। कोच्चि टस्तकर्स केरल की टीम 2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ सिर्फ 6 रन पर 5 विकेट गंवा बैठी थी। अब कोच्चि टस्कर्स और डेक्कन चार्जर्स दोनों टीमों लीग से बाहर हो चुकी हैं।

दिल्ली तीसरी बार IPL में 75 या इससे कम रन पर ऑलआउट

दिल्ली कैपिटल्स 16.3 ओवर में 75 रन पर ऑलआउट हो गई। यह IPL में तीसरी बार है, जब दिल्ली की टीम 75 या उससे कम स्कोर पर ऑलआउट हुई। RCB इस मामले में नंबर-1 पर है, जो 4 बार 75 या इससे नीचे ऑल आउट हुई है।

भुवनेश्वर कुमार ने DC के खिलाफ पहले ओवर में ही डेब्यूटेंट साहिल पारख को क्लीन बोल्ड कर दिया। ये 29वीं बार है, जब उन्होंने IPL में पहले ओवर में ही विकेट लिया हो। वे इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। टॉप पर ट्रेंट बोल्ट हैं, जिन्होंने 32 बार यह कारनामा किया है। दिल्ली के खिलाफ भुवनेश्वर ने पावरप्ले में 3 विकेट लिए। उन्होंने IPL 2023 के बाद पावरप्ले में अब तक 32 विकेट लिए हैं। वे इस मामले में ट्रेंट बोल्ट के साथ नंबर एक पर हैं। बोल्ट ने भी 32 विकेट लिए हैं। मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी ने पावरप्ले में 28-28 विकेट लिए हैं।

ओडिशा में बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंचा शख्स

- कंधे पर लेकर 3km पैदल चला
- बैंक कर्मचारियों ने कहा था- जिसका खाता उसे लेकर आओ

क्योंझर. ओडिशा के क्योंझर में सोमवार को हैरान करने वाला मामला सामने आया। आदिवासी जीतू मुंडा अपनी मरी हुई बहन का कंकाल लेकर बैंक पहुंच गया। कंकाल देख बैंक में अफरा-तफरी मच गई।

दरअसल, जीतू अपनी बहन कलारा मुंडा के खाते से 20 हजार रुपए निकालना चाहता था, इसके लिए वह कई बार बैंक भी गया। लेकिन कर्मचारियों ने खाता धारक को लाने को कहा। जीतू बैंक में पहले ही कलारा की मौत की जानकारी दे चुका था। फिर भी उसे कोई मदद नहीं मिली, इससे परेशान होकर उसने कब्र से कंकाल निकालकर बैंक में पेश किया।

बहन का कंकाल कंधे पर लेकर जीतू करीब 3 किमी पैदल चला। फिर मल्लिपसी में बने ओडिशा ग्रामीण बैंक ब्रांच के बरामदे में कंकाल को रख दिया। इसे देख वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। पुलिस के अनुसार, जीतू अनपढ़ है और कानूनी प्रक्रिया से अनजान था। प्रशासन ने उसे नियम समझाए और जल्द पैसे दिलाने का भरोसा दिया। इसके बाद शव को दोबारा कब्रिस्तान में दफना दिया गया।

- कंकाल देखकर बैंक कर्मचारियों ने पुलिस बुलाई

पुलिस के अनुसार, जीतू पढ़ा-लिखा नहीं है। आदिवासी है और कानूनी प्रक्रिया से पूरी तरह अनजान है। थाने के प्रभारी निरीक्षक किरण प्रसाद साहू ने कहा, 'जीतू को नहीं पता कि कानूनी वारिस या नॉमिनी क्या होता है। बैंक अधिकारी भी उसे मृतक के खाते से पैसे निकालने की प्रक्रिया नहीं समझा पाए।

पुलिस ने जीतू मुंडा को आश्वासन दिया कि वे उसकी मृत बहन के बैंक खाते से पैसे निकलवाने में मदद करेंगे। बाद में, पुलिस की मौजूदगी में शव को दोबारा कब्रिस्तान में दफना दिया गया।

- आखिर क्यों चाहिए थे जीतू को बहन के खाते में जमा रुपए

डियानाली गांव का रहने वाला जीतू मुंडा जिस महिला का कंकाल लेकर बैंक पहुंचा, वह उसकी बड़ी बहन कालरा मुंडा थी। कालरा की मौत 26 जनवरी 2026 को हो गई थी। कालरा मुंडा के बैंक खाते में नॉमिनेट पति और बेटे की भी मौत हो चुकी है। इसलिए, उनके नाम पर जमा पैसे का जीतू मुंडा ही एकमात्र दावेदार है। आर्थिक स्थित ठीक नहीं होने के कारण उनके लिए यह यह पैसा रकम अहम थी और जीवनयापन का सहारा मानी जा रही थी।

राज्यसभा के बाद अब लोकसभा की बारी?

- 2 AAP सांसद इस्तीफा देने को तैयार
- अकाली दल का दावा

चंडीगढ़. आम आदमी पार्टी (AAP) के लिए पंजाब में सियासी संकट थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्यसभा में अपने सांसदों की बड़ी बगावत का सामना कर रही पार्टी को अब निचले सदन (लोकसभा) में भी बड़े झटके का सामना करना पड़ सकता है। शिरोमणि अकाली दल (SAD) के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने एक सनसनीखेज दावा करते हुए कहा है कि पंजाब से AAP के 2 लोकसभा सांसद भी पार्टी से इस्तीफा देने की तैयारी में हैं।

मजीठिया का बड़ा दावा: निशाने पर लोकसभा सांसद

बिक्रम सिंह मजीठिया ने दावा किया है कि आम आदमी पार्टी में मची भगदड़ केवल उच्च सदन (राज्यसभा) तक सीमित नहीं रहने वाली है। उनके अनुसार, पंजाब में AAP सरकार की कार्यप्रणाली, नेतृत्व की अनदेखी और अंदरूनी कलह से नाराज होकर अब लोकसभा के 2 सांसद भी जल्द ही इस्तीफा दे सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनावों में पंजाब से आम आदमी पार्टी के केवल 3 सांसद ही जीतकर संसद पहुंचे थे। ये सांसद गुरमीत सिंह मीत हेयर, मलविंदर सिंह कंग और राज कुमार चब्बेवाल हैं। अगर मजीठिया का यह दावा सच साबित होता है और 2 सांसद इस्तीफा दे देते हैं, तो यह लोकसभा में आम आदमी पार्टी के लगभग सफाए के बराबर होगा।

मजीठिया ने एक पोस्ट में लिखा, 'एक और दिन, एक और विदाई की तैयारी... सूत्रों के मुताबिक, आम आदमी पार्टी के 2 लोकसभा सांसद जल्द ही पार्टी छोड़कर जा सकते हैं।

राजा रघुवंशी की कातिल पत्नी सोनम को जमानत

हनीमून मर्डर के 11 महीनों बाद राहत

इंदौर. इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी की मेघालय में हनीमून के दौरान हत्या करने की आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को जमानत मिल गई है। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने इसकी पुष्टि की है। प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने की आरोपी सोनम को हत्याकांड के 11 महीनों बाद अदालत से राहत मिली है। सोनम गिरफ्तारी के बाद से जेल में बंद थी। उसका प्रेमी राज भी शिलॉन्ग जेल में बंद है।

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी अपनी नई नवेली दुल्हन सोनम रघुवंशी के साथ 23 मई 2025 को हनीमून पर मेघालय गए थे। यहां अचानक दोनों के गायब होने की खबर आई। कई दिनों की तलाश के बाद 2 जून को एक खाई में राजा रघुवंशी की लाश मिली थी तो हत्या करके फेंके जाने की बात सामने आई। हत्याकांड के कुछ दिनों बाद सोनम को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था।

संक्षेप...

पत्रकार की हत्या पर इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन का कड़ा विरोध

कल्याण। इंडियन जर्नलिस्ट्स यूनियन ने आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में वरिष्ठ पत्रकार जगन मोहन रेड्डी की निर्मम हत्या की घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। यूनियन द्वारा जारी बयान में बताया गया कि 28 अप्रैल की सुबह जब पत्रकार जगन मोहन रेड्डी अपने नियमित मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर चाकुओं से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दिवंगत पत्रकार हाल ही में चित्तूर जिले में सक्रिय चंदन माफिया पर खबरें प्रकाशित कर रहे थे, जिससे इस हत्या को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा, फिर चाकुओं से गोदा

- मुंबई में गार्ड्स पर हमला
- ATS बोली- ISIS के दस्तावेज मिले
- अकेले हमला प्लान किया
- आरोपी 2020 में अमेरिका से लौटा, कोचिंग देता था

मुंबई. मुंबई के मीरा रोड स्थित नया नगर इलाके में एक युवक ने दो सिक्योरिटी गार्ड्स से उनका धर्म पूछने के बाद चाकू से हमला कर दिया। आरोपी की पहचान 31 साल के जैब जुबेर अंसारी के रूप में की गई है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे हुई।

पुलिस के अनुसार, एक अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन ड्यूटी पर तैनात थे। आरोपी पहले इलाके में आया और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। उसने एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह केबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया गया।

दोनों घायल गार्डों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही

है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराष्ट्र ATS ने उसके घर से ISIS से जुड़े नोट्स, एक लैपटॉप और कुरान की 3 कॉपियां बरामद की हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी ने हमला अकेले प्लान किया था।

घटना के करीब डेढ़ घंटे भीतर ही नया नगर पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद उसे ठाणे की अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 4 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

ATS ने बताया कि आरोपी साइंस ग्रेजुएट है और वह 2000 से 2020 तक अपने माता-पिता के साथ अमेरिका में रहा था। अमेरिका में नौकरी नहीं मिलने के कारण वह 2020 में भारत लौट आया। वह 2022 से मीरा रोड स्थित स्मिता रीजेंसी बिल्डिंग में अकेले रहकर ऑनलाइन केमिस्ट्री की कोचिंग देता था।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पत्नी अफगानी हैं। वह उसे छोड़कर अमेरिका चली गई हैं। ATS के मुताबिक, यह लोन वुल्फ अटैक का मामला है। यानी एक ऐसा आतंकवादी हमला, जिसे किसी आतंकी संगठन की मदद या निर्देश के बिना एक अकेला व्यक्ति खुद की योजना बनाकर अंजाम देता है।

आरोपी हिंदुओं पर हमला करना चाहता था

महाराष्ट्र के CM देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि यह मामला आत्म-उग्रवादीकरण (सेल्फ-रैडिकलाइजेशन) का लगता है। CM के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी कट्टरपंथी बन गया था और जिहाद के नाम पर हिंदुओं पर हमला करना चाहता था। मामले की जांच फिलहाल महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (ATS) और NIA कर रही है।

नोट्स में ISIS में शामिल होने की इच्छा जताई

माना जा रहा है कि अकेलेपन के दौरान आरोपी इंटरनेट के जरिए कट्टरपंथी बन गया। जांच एजेंसियों ने उसके घर की तलाशी ली। वहां हाथ से लिखे कुछ नोटस् मिले हैं। इन नोट्स में आरोपी ने ISIS में शामिल होने की इच्छा जताई थी। उसने सिक्योरिटी गार्ड्स पर हमले को किसी आतंकी संगठन में शामिल होने की दिशा में अपना पहला कदम बताया था। आरोपी के घर से कुछ किताबें और आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुए हैं। एजेंसियां अब उसके मोबाइल फोन और लैपटॉप की भी जांच कर रही हैं।

ठाणे मनपा में 'राइट टू सर्विस डे' मनाया गया

ठाणे. मनपा में "राइट टू सर्विस डे" मनाया गया राइट टू सर्विस डे के मौके पर, सभी अलग-अलग अधिकारी कर्मचारी सुबह 11 बजे मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में शामिल हुए और एक साथ शपथ ली। इस मौके पर मेयर शर्मिला पिंपलोलकर, आयुक्त सौरभ राव, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, उपायुक्त मनीष जोशी, जी.जी. गोदापुरे, मधुकर बोडके के साथ सहायक आयुक्त और अलग-अलग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौजूद थे।

मनपा के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने महाराष्ट्र लोक सेवा अधिकार अधिनियम-2015 के तहत सरकार की सेवाओं को पारदर्शी तरीके से, तय समय में, ईमानदारी, वफ़ादारी और समय पर करने की शपथ ली। उन्होंने प्राधिकरण में आने वाले नागरिकों के फ़ायदे और भलाई के लिए काम करने, इस अधिनियम द्वारा दी गई सेवाओं के उनके अधिकार का सम्मान करने और सेवा की भावना बनाए रखने की भी शपथ ली।इस मौके पर सहायक आयुक्त सचिन बोरसे ने बताया कि मनपा द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की जानकारी नागरिकों को एक क्लिक पर उपलब्ध कराने के लिए एक QR कोड बनाया गया है। इस QR कोड का उद्घाटन मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने किया। इस QR कोड को स्कैन करने के बाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की सभी सेवाओं की जानकारी मिल जाएगी। साथ ही, इस मौके पर सेवा अधिकार दिवस के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक भी पेश किया गया।

'मेरा गांव एक स्वस्थ गांव' कैंपेन का फैसला

- डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में रिव्यू मीटिंग हुई

ठाणे. पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के बड़े कैंपेन 'मेरा गांव एक स्वस्थ गांव' की एक ज़रूरी रिव्यू मीटिंग आज ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट में प्लानिंग बिल्डिंग के कमिटी हॉल में जिले के गार्डियन मिनिस्टर और राज्य के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में हुई.विधायक किसन कथोरे, विधायक निरंजन डावखरे, विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे, विधायक डॉ. बालाजी किणीकर, विधायक शांताराम मोरे, विधायक राजेश मोरे, पालक सचिव नवीन सोना, जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल,

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत यादव, अतिरिक्त जिला कलेक्टर हरिश्चंद्र पाटिल, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार, निवासी उप जिला कलेक्टर डॉ. संदीप माने, जिला नियोजन अधिकारी वैभव कुलकर्णी, प्रांतीय मजिस्ट्रेट उर्मिला पाटिल, उप जिला कलेक्टर सरजेराव म्हस्के-पाटिल, शशिकांत गायकवाड़, राशन वितरण उप नियंत्रक भास्कर तायडे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तारे, प्रमोद काले, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी रामेश्वर पाचे, जिला कृषि विकास अधिकारी मुनीर बछोटिकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर पारगे, तहसीलदार रेवन लेम्बे और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

इस अवसर पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री शिंदे ने ग्रामीण क्षेत्र के प्रत्येक गांव को स्वास्थ्य के मामले में आत्मनिर्भर, जागरूक और सशक्त बनाने का अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया. इस कैंपेन का मुख्य मकसद सिर्फ़ हेल्थ सुविधाएँ देना ही नहीं है, बल्कि हेल्थ को लोगों की रोज़ाना की बातचीत और कामों का एक ज़रूरी हिस्सा बनाना भी है. यह कैंपेन, जो 1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2027 तक चलेगा, चार मुख्य बातों पर फोकस करेगाः लाइफस्टाइल में बदलाव, बचाव के तरीके, समय पर इलाज और रिहैबिलिटेशन.

इस कैंपेन को लागू करना जनता की भागीदारी, असरदार हेल्थ सर्विस, एडमिनिस्ट्रेटिव तालमेल और इनोवेशन के पाँच बातों पर आधारित है, और ग्राम पंचायत लेवल से लेकर राज्य लेवल तक अलग-अलग कमेटियाँ इसकी कड़ी निगरानी करेंगी. खास बात यह है कि अच्छा काम करने वाली ग्राम पंचायतों को बढ़ावा देने के लिए, राज्य सरकार ने 65.25 करोड़ रुपये के बड़े इनाम की घोषणा की है, जिसमें से राज्य लेवल पर पहले नंबर पर आने वाली ज़िला परिषद को 5 करोड़ रुपये का इनाम दिया जाएगा. ज़िले के सभी पाँच तालुकों - अंबरनाथ, भिवंडी, कल्याण, मुरबाद और शाहपुर - में पब्लिक अवेयरनेस मीटिंग हो चुकी हैं और डिप्टी चीफ मिनिस्टर ने निर्देश दिया है कि 1 मई को होने वाली ग्राम सभाओं में इस कैंपेन के लिए एक एक्शन प्लान तैयार किया जाए.

निशुल्क मोटर चलित ट्राई साइकिल वितरण शिविर

भिवंडी. श्रीभैरव चैरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष गगन जैन व सचिव अनिल जैन ने बताया कि बीसलपुर के भैरव विद्यालय परिसर में 30 अप्रैल को श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति अहमदाबाद एवं श्री भैरव चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 1 दिवसीय निशुल्क मोटर चलित ट्राई साइकिल वितरण शिविर का आयोजन किया जाएगा. सेवायोगी राजमल एस जैन के 93 जन्मोत्सव निमित्त आयोजन धणी निवासी मातोश्री चंपा देवी पूनम चंद मुठा लिया परिवार के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है. उल्लेखनीय है कि, भिवंडी में भी श्री भैरव चैरिटेबल ट्रस्टसंस्था ने यहां विशाल रक्तदान एवं दिव्यांग जनों की खातिर ट्राई साइकिल आदि का शिविर आयोजित किया था.

बिजली बिल में छूट के लिए ऑनलाइन पंजीकरण मुश्किल में

- बिजली डिस्ट्रीब्यूशन के लिए नई कंपनी बनाने की मांग

भिवंडी. पावरलूम उद्यमियों को बिजली बिल में छूट के लिए रजिस्टर करने में छूट दी जाए और महावितरण की फ्रेंचाइजी टोरेंट पावर के साथ-साथ टाटा पावर, अडानी पावर कंपनी को भी भिवंडी में बिजली डिस्ट्रीब्यूशन का मौका दिया जाए. भिवंडी शहर के पावरलूम प्रोफेशनल्स के भिवंडी पावरलूम मजूरी बीम वीवर्स एंड ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तिरुपति सुरुपुरम के नेतृत्व में आए डेलीगेशन में शामिल हलारी पावरलूम एसोसिएशन के चंदूलाल सुमारिया, महबूब खान, सुंका लक्ष्मण ने राज्य के टेक्सटाइल मिनिस्टर संजय सावकारे को एक निवेदन दिया है.

टेक्सटाइल आयुक्तालय, नागपुर ने घोषणा की है कि अगर 26 अप्रैल तक पावरलूम फैक्ट्री ऑनलाइन रजिस्टर नहीं हुई तो महाराष्ट्र सरकार द्वारा दी जाने वाली 50 परसेंट बिजली बिल सब्सिडी स्कीम कैंसिल कर दी जाएगी. इस रजिस्ट्रेशन प्रोसेस में पावरलूम मालिकों से कई तरह के डॉक्यूमेंट्स और सर्टिफिकेट मांगे जा रहे हैं. जो भिवंडी में पावरलूम बनाने वालों को नहीं मिल रहे हैं.

भिवंडी में कई जगहों पर फैक्ट्री किसी एक आदमी की है, बिजली का मीटर किसी दूसरे आदमी के नाम पर है, मशीनरी किसी तीसरे आदमी की है और बिजनेस का मालिक कोई और है. इससे कई दिक्कतें आ रही हैं. इसलिए इस निवेदन में मांग की गई है कि ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को आसान और सरल बनाने और इन दिक्कतों को दूर करने के लिए चर्चा करें.

भिवंडी शहर, जिसमें देश के कुल पावरलूम का 35 परसेंट हिस्सा है, उसे मैनचेस्टर के नाम से जाना जाता था. लेकिन पिछले 15 सालों से भिवंडी शहर में पावरलूम का बिजनेस बहुत बड़ी मंदी से गुजर रहा है. पहले भिवंडी में करीब 12 लाख पावरलूम थे, लेकिन अब यह संख्या घटकर 6 लाख से भी कम हो गई है. आज भी हर दिन सैकड़ों पावरलूम इस्तेमाल हो रहे हैं. उन्हें कबाड़ में बेचा जा रहा है. केंद्र और राज्य सरकार की टेक्सटाइल कॉर्पोरेशन और सलाहकार कमेटियों में भिवंडी शहर का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है. डेलीगेशन ने मांग की है कि अगर भिवंडी शहर को इसमें रिप्रेजेंटेशन मिलता है, तो शहर में पावरलूम इंडस्ट्री को बढ़ावा मिलेगा और यहां की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाकर उन्हें हल करने में मदद मिलेगी.

अडानी पावर, टाटा पावर, बेस्ट पावर के बिजली बिल भिवंडी में बिजली बांटने वाली महावितरण कंपनी की फ्रेंचाइजी टोरेंट पावर कंपनी के बिजली बिलों से कम हैं. इसलिए, सरकार को 2027 में भिवंडी शहर में बिजली बांटने के लिए टोरेंट पावर कंपनी, महावितरण कंपनी और प्राइवेट बिजली सप्लायर टाटा पावर, अडानी पावर और बेस्ट पावर के साथ नया एग्रीमेंट किए बिना, कॉम्पिटिटिव टेंडर मंगाने चाहिए, ताकि भिवंडी में पावरलूम मालिकों को सस्ती दरों पर बिजली बांटी जा सके.

ग्रामीण इलाकों में पोल्ट्री फार्मिंग से रोज़गार

भिवंडी. गांव की तरह ब्रॉयलर मुर्गी पालन शहर में भी किसानों और व्यापारियों के लिए एक व्यापारिक संयोजन साबित हो रहा है. सोनाली, कोसबारी, कावेरी, डीपी क्रॉस, ब्लैक स्ट्रोल, वनराज, गिर्राज, डीपी क्रॉस और कुछ अन्य नस्लों के मुर्गी पालन व्यवसाय के माध्यम से अच्छी मात्रा में रोजगार पैदा हो रहा है. इस व्यवसाय को भी पेटू लोगों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है. व्यापारिक सूत्रों ने बताया कि चूंकि गावठी मुर्गियों की रोग प्रतिरोधक क्षमता ब्रॉयलर मुर्गी के मुर्गियों की तुलना में अधिक होती है, इसलिए इस व्यवसाय में नुकसान भी कम होता है. कहा गया है कि अगर ठीक से योजना बनाई जाए तो अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है. जबकि गावठी नर और मादा बाजार में 22 से 25 रुपये प्रति पीस उपलब्ध हैं और वे 3 महीने में पर्याप्त रूप से बड़े हो जाते हैं, ऐसा व्यवसायियों ने बताया है. जबकि उक्त माल यहां अंबाड़ी, पड़घा, भिवंडी के बाजारों में बिक्री के लिए उपलब्ध है और व्यवसायियों ने संभावना जताई कि माल की मूल आवक अहमदनगर और छत्रपति संभाजीनगर से हो रही है. अभी गावठी मुर्गियों की कीमत 800 से 1000 रुपये प्रति नर है और मादा 500 से 600 रुपये है. जबकि बकरे के मीट की कीमत 850 से 900 रुपये तक पहुंच गई है. इसी तरह, विलेज स्टाइल ब्रॉयलर का पोल्ट्री फार्मिंग बिजनेस मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में रोजगार का एक जरिया है और किसानों के लिए एक सप्लीमेंट्री बिजनेस के तौर पर उभर रहा है.

> अभी, फार्मिंग बिजनेस महंगा हो गया है . भविष्य में, गांव के स्टाइल में पोल्ट्री फार्मिंग को सप्लीमेंट्री बिज़नेस के तौर पर अपनाना किसानों के लिए रोज़गार पैदा करने का एक अच्छा ऑप्शन है .
>
> – विग्नेश नंदुरकर, पोल्ट्री फार्मिंग प्रोफेशनल

संजय दत्त ने अश्लील गाने पर माफी मांगी

- महिला आयोग से बोले- लिरिक्स का पता नहीं था

कन्नड़ फिल्म के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' में अश्लीलता को लेकर संजय दत्त ने माफी मांगी है। 27 अप्रैल को एक्टर राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) के सामने पेश हुए। संजय ने गाने के बोल और प्रेजेंटेशन के लिए बिना शर्त माफी मांगी।

दरअसल आयोग ने गाने में अश्लीलता और महिलाओं के प्रति आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर नोरा फतेही और संजय दत्त समेत फिल्म की टीम को समन भेजा था।

सोमवार दोपहर संजय दत्त अपने वकील के साथ दिल्ली स्थित महिला आयोग के ऑफिस पहुंचे। पेशी के बाद उनके वकील ने बताया, 'संजय दत्त महिलाओं और महिला आयोग का बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने आयोग को बताया कि जब यह गाना रिकॉर्ड हुआ था, तब वह किसी और भाषा में था, इसलिए उन्हें इसके हिंदी लिरिक्स की गहराई का पता नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी ओर से माफी मांगी है।'

50 बच्चों की शिक्षा का लिया जिम्मा

संजय दत्त ने न केवल माफी मांगी, बल्कि स्वेच्छा से सामाजिक कदम उठाने का भी प्रस्ताव रखा। एक्टर ने घोषणा की है कि वे आदिवासी समुदाय के 50 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्च उठाएंगे। उनके वकील ने स्पष्ट किया कि संजय दत्त ने यह फैसला समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए लिया है।

क्या है पूरा मामला?

विवाद फिल्म 'केडी : द डेविल' के गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' से शुरू हुआ, जिसमें नोरा फतेही और संजय दत्त हैं। गाने की शुरुआती लाइनों में 'डबल मीनिंग' शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि बाद में गाने में यह दिखाया गया कि वे शब्द शराब की बोतल के लिए थे, लेकिन तब तक इसका कड़ा विरोध शुरू हो गया। नोरा फतेही ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर साफ किया था कि वे ऐसे कंटेंट का समर्थन नहीं करती हैं।

श्वान नसबंदी केंद्र में साफ़-सफ़ाई की कमी

- पशु प्रेमियों ने मनपा प्रशासन पर नाराज़गी जताई

भिवंडी. शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है और शहर के अलग-अलग इलाकों में आवारा कुत्तों की संख्या भी काफ़ी बढ़ गई है. इस वजह से शहर में आवारा कुत्तों की समस्या एक बार फिर सामने आ गई है. शहर के ईदगाह, शांतिनगर, कामतघर, नागांव गायत्रीनगर, निज़ामपुर, कोंबडपाड़ा इलाकों में बड़ी संख्या में आवारा कुत्ते हैं और मनपा प्रशासन का स्वास्थ्य विभाग उन्हें कंट्रोल करने में नाकाम रहा है. जिसकी वजह से शहर के लोगों, खासकर छोटे बच्चों में आवारा कुत्तों का आतंक बना हुआ है.

मनपा प्रशासन ने आवारा कुत्तों को कंट्रोल करने के लिए 12 साल से बंद पड़े श्वान नसबंदी केंद्र को 11 नवंबर, 2024 को फिर से खोल दिया. यह काम वेट्स सोसाइटी फॉर

एनिमल वेलफेयर एंड रूरल डेवलपमेंट को सौंपा गया है, जिसके लिए संस्था को हर डॉग स्टरलाइज़ेशन के लिए 1,440 रुपये दिए जाते हैं. शहर में करीब 24,000 आवारा कुत्ते हैं, और अब तक करीब 7 से 9 हज़ार कुत्तों को वैक्सीन और नसबंदी की जा चुकी है। पशु मित्र दीप्ति देशमुख ने बताया है कि मनपा और संस्था द्वारा शुरू किए गए इस डॉग नसबंदी सेंटर में बहुत गंदगी है और मनपा प्रशासन ने नसबंदी सेंटर की सफाई पर ध्यान नहीं दिया है, जिससे कुत्तों की सेहत खतरे में है। हमने कई बार मनपा प्रशासन को डॉग नसबंदी सेंटर की गंदगी के बारे में लिखकर और बोलकर शिकायत की है, लेकिन फिर भी मनपा प्रशासन और श्वान नसबंदी केंद्र का कॉन्ट्रैक्ट करने वाली संस्था ने जानबूझकर सफाई पर ध्यान नहीं दिया है।

पशु मित्र दीप्ति देशमुख ने बताया कि जिन कुत्तों की नसबंदी सर्जरी हुई है, उन्हें एक ही शेल्टर में रखा जा रहा है, और इन कुत्तों की पॉटी और उल्टी शेल्टर में पड़ी हुई है। चूंकि कोई इस गंदगी को साफ नहीं कर रहा है, इसलिए शेल्टर में गंदगी फैल गई है, और अगर ऐसी ही गंदगी बनी रही, तो इंफेक्शन हो सकता है और कई कुत्तों की सेहत को खतरा हो सकता है. यहां एक पिंजरे में पांच कुत्ते रखे गए हैं। इस वजह से जिन कुत्तों की सर्जरी हुई है, वे लड़ रहे हैं और उनमें फिर से झगड़े हो रहे हैं। दीप्ति देशमुख ने शिकायत की है कि कुत्तों को उसी इलाके में छोड़ा जाना चाहिए जहां से उन्हें लाया गया है, लेकिन कई बार कुत्तों को दूसरे इलाके में छोड़ दिया जाता है, और वहां के कुत्ते उन्हें नहीं अपनाते, इसलिए उनके बीच बहस बढ़ रही है, और नए इलाके में उन्हें खाना नहीं मिल रहा है, जिससे उनका गुस्सा बढ़ रहा है।

मेयर बंगले का 3.48 करोड़ से रेनोवेशन

मुंबई. भायखला स्थित वीरमाता जीजाबाई भोसले बॉटनिकल गार्डन और ज़ू परिसर में बने मेयर के आधिकारिक बंगले को लंबे समय बाद रेनोवेट और रिस्टोर किया जाएगा। यह बंगला पिछले लगभग चार साल से बंद पड़ा था। अब बृहन्मुंबई महानगरपालिका ने इसके पुनर्निर्माण और मरम्मत के लिए करीब 3.48 करोड़ रुपये के खर्च का प्रस्ताव तैयार किया है और इसे अंतिम मंजूरी के लिए स्टैंडिंग कमेटी के पास भेजा गया है।

यह ऐतिहासिक बंगला वर्ष 1931 में बनाया गया था और इसे हेरिटेज भवन का दर्जा प्राप्त है। लगभग 6,000 वर्ग फुट में फैला यह बंगला सागौन की लकड़ी से निर्मित है और इसकी छत पारंपरिक टाइलों से बनी हुई है। इसकी वास्तुकला पुराने समय की शैली को दर्शाती है, जो इसे एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक संरचना बनाती है। नगर प्रशासन के अनुसार, इस बंगले के रेनोवेशन को प्राथमिकता दी गई है.

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती प्रीति संतोष सावले सभी को सूचित कर रही हूं कि श्री संतोष पंडित सावले का देहांत 13 नवंबर 2023 को हो गया है. उनके नाम पर ऑटो रिक्शा नं. एमएच 05 डीएल 4931 है और परमिट नं. 10029/उल्हासनगर जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त ऑटो रिक्शा पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा रिक्शा नं. एमएच 05 डीएल 4931 मेरे श्रीमती प्रीति संतोष सावले के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती प्रीति संतोष सावले
श्याम सोप फैक्ट्री के पीछे, पारोमल स्टोर, उल्हासनगर-3

जाहीर नोटीस

सर्व संबंधीतांस, या जाहीर नोटीसद्वारे कळविण्यात येते की भगवंती देवेंद्रसिंह लबाना (खेमानी) यांचे मालकीची व कब्जेवहिवाटीची मौजे उल्हासनगर-४, तालुका उल्हासनगर जिल्हा ठाणे येथील ब्लॉक क्र (A) ए / ५७३, चालता क्र ४१५, उल्हासनगर महानगर पालिका मिळकत क्र ४०C।०१०५१८४००, नगर भूमापन क्रमांक २१९९६, शिट क्र. ३७, एकूण क्षेत्रफळ ४५८४.६० पैकी ३०५.४८ चौ. मी. हि मिळकत आमचे अशिलांना कायम स्वरूपी विकत देण्याचे मान्य व कबूल केले असून त्याबाबत आमचे अशील योग्य ते करार-मदार, कुलमुखत्यार पत्र व तदनुषंगिक कागदपत्रे लिहुन व नोंदवून घेणार आहेत. तरी सदर मिळकतीवर वा मिळकतीच्या भागावर कोणाचाही मालकी हक्क, गहाण, दान, बक्षीस, फरोक्त, तारण, कुळवहिवाट, कुळ, भाडेकरूंचे हक्क, विश्वस्त वारसा, देखभाल, लीज, कुळवहीवाट, पोटगी, साठेकरार, बयाणा वा तत्सम कोणताही दावा, मालकी वा अन्य हितसंबंध असल्यास वा तसा दावा करणाऱ्या व्यक्तींनी वा संबधितांनी हि नोटीस प्रसिद्ध झाल्यापासून १५ दिवसांचे आत आपले हक्क, हितसंबधाचे स्वरूप विशद करून आवश्यक कागदपत्रांच्या प्रमाणित प्रतीसह खाली सही करणार यांचे कार्यालयात लेखी स्वरुपात कळवावे, वरील मुदतीत कोणाकडून आवश्यक कागदपत्रासह काही लेखी हरकत, तक्रार वा दावा न आल्यास सदर मिळकत निवेध व बोजाविरहीत आहे असे समजून आमचे अशील सदर मिळकतीचे खरेदीखताचा व्यवहार पूर्ण करतील व मागाहून आलेल्या तक्रारी व दावे वा हरकती या रद्दबातल आहेत असे समजण्यात येईल व त्या आमचे पक्ष्यकारवार बंधनकारक राहणार नाहीत.

स्थळ - उल्हासनगर
दिनांक :- २८/०४/२०२६

सही/-
वकील-श्री राजेंद्र शंकर पालवे
पत्र व्यवहाराचा पत्ता :ऋषी प्रसाद, ब्लॉक सी- ४५, रूम क्र. १६५ शिव कॉलोनी, उल्हासनगर -३
जिल्हा ठाणे मोबाईल - ९८२१०७०७३५

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099